



## स्वदेश दर्शन योजना

### प्रलिस के लयः

स्वदेश दर्शन योजना, PRASAD, आत्मनरिभर भारत

### मेन्स के लयः

आत्मनरिभर भारत, पर्यटन क्षेत्र ।

हाल ही में पर्यटन मंत्रालय ने अपनी [स्वदेश दर्शन योजना](#) को स्वदेश दर्शन 2.0 (SD2.0) के रूप में संशोधित किया है, जिसका उद्देश्य गंतव्यों पर स्थायी और ज़मिमेदार बुनियादी ढाँचा विकसित करना है ।

## स्वदेश दर्शन योजना:

### परचियः

- इसे वर्ष 2014-15 में देश में थीम आधारित पर्यटन सर्कटि के एकीकृत विकास के लिये शुरू किया गया था । इस योजना के तहत पंद्रह विषयगत सर्कटिों की पहचान की गई है- बौद्ध सर्कटि, तटीय सर्कटि, डेज़र्ट सर्कटि, इको सर्कटि, हेरिटेज सर्कटि, हिमालयन सर्कटि, कृषणा सर्कटि, नॉर्थ ईस्ट सर्कटि, रामायण सर्कटि, ग्रामीण सर्कटि, आध्यात्मिक सर्कटि, सूफ़ी सर्कटि, तीर्थंकर सर्कटि, जनजातीय सर्कटि, वन्यजीव सर्कटि ।
- यह केंद्र द्वारा 100% वित्तपोषित है और केंद्र एवं राज्य सरकारों की अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण हेतु तथा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों और कॉर्पोरेट क्षेत्र की [कॉर्पोरेट सामाजिक ज़मिमेदारी \(CSR\)](#) पहल के लिये उपलब्ध स्वैच्छिक वित्तपोषण का लाभ उठाने के प्रयास किये जाते हैं ।

### महत्त्वः

- स्वदेश दर्शन और [PRASAD \(तीर्थयात्रा कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, वरिसत संवर्द्धन अभियान\)](#) योजनाओं के तहत पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के बुनियादी ढाँचे के विकास के लिये राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।
- इस योजना के तहत परियोजनाओं नधियों की उपलब्धता, वसितृत परियोजना रपौर्ट प्रस्तुत करने, योजना दिशा-निर्देशों का पालन करने और पूर्व में जारी धन के उपयोग के अधीन स्वीकृत किया जाता है ।

### उद्देश्यः

- पर्यटन को आर्थिक विकास और रोज़गार सृजन के प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करना ।
- नयोजित और प्राथमिकता के आधार पर पर्यटन क्षमता वाले सर्कटि विकसित करना ।
- पहचान किये गए क्षेत्रों में आजीविका उत्पन्न करने के लिये देश के सांस्कृतिक और वरिसत मूल्य को बढ़ावा देना ।
- सर्कटि/गंतव्यों में विश्व स्तरीय स्थायी बुनियादी ढाँचे को विकसित करके पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाना ।
- समुदाय आधारित विकास और गरीब समर्थक पर्यटन दृष्टिकोण का पालन करना ।
- आय के **बढ़ते स्रोतों, बेहतर जीवन स्तर और क्षेत्र के समग्र विकास के संदर्भ में स्थानीय समुदायों में पर्यटन के संदर्भ में जागरूकता बढ़ाना ।**
- उपलब्ध बुनियादी ढाँचे, राष्ट्रीय संस्कृति और देश भर में प्रत्येक क्षेत्र के विशिष्ट स्थलों के संदर्भ में विषय-आधारित सर्कटिों के विकास की संभावनाओं एवं लाभों का पूरा उपयोग करना ।
- आगतुक अनुभव/संतुष्टि को बढ़ाने के लिये पर्यटक सुविधा सेवाओं का विकास करना ।

## स्वदेश दर्शन योजना 2.0:

- 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ स्वदेश दर्शन 2.0 नामक नई योजना का उद्देश्य पर्यटन गंतव्य के रूप में भारत की पूरी क्षमता को साकार कर "आत्मनरिभर भारत" के लक्ष्य को प्राप्त करना है ।
- स्वदेश दर्शन 2.0 एक वृद्धिशील परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्थायी और ज़मिमेदार पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिये स्वदेश दर्शन योजना को एक समग्र मशिन के रूप में विकसित करने हेतु पीढ़ीगत बदलाव है ।
- यह पर्यटन स्थलों के सामान्य और विषय-विशिष्ट विकास के लिये बेंचमार्क एवं मानकों के विकास को प्रोत्साहित करेगी ताकि राज्य परियोजनाओं की

- योजना तैयार करने एवं वकिसा करते समय बेंचमार्क तथा मानकों का पालन कयिा जा सके ।
- योजना के तहत पर्यटन क्षेत्र के लयि नमिनलखिति प्रमुख वषियों की पहचान की गई है ।
    - संस्कृति और वसिसत
    - साहसकि पर्यटन
    - पारसिथतिकी पर्यटन
    - कलयाण पर्यटन
    - एमआईसीई पर्यटन
    - ग्रामीण पर्यटन
    - तटीय पर्यटन
    - परभिरमण- महासागर और अंतरदेशीय ।

**स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/swadesh-darshan-scheme-1>

